अनेक पॉलिशर, उत्पाद हेतु अच्छी चमकदार सतह प्राप्त करने के लिए शैलेक पॉलिश अथवा लैकर का प्रयोग करने की सलाह देते हैं। परंतु शैलेक या लैकर पॉलिश की नमी रोकने की क्षमता बहुत ज्यादा नही हैं। यह महत्वपूर्ण है कि, किसी भी पॉलिश का सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता काष्ठ किस्मों पर भी निर्भर करती है।

वन अनुसंधान संस्थान ने शीशम और आम काष्ठ की आद्रता संरक्षण के लिए, यदि वे प्रचलित शैलेक पॉलिश अथवा उससे आधुनिक व्यावसायिक पॉलियूरेथीन वार्निश से पॉलिश किए जाते हैं, तो उसके लिए कितनी कोटिंग (पॉलिश परत) की आवश्यकता होगी, पर एक अध्ययन किया है। उपयोगकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण वर्णन निम्नलिखित हैं :–

1. **पॉलियूरेथीन वार्निश आद्रता अवरोधन में व दोनों किस्मों की सतह को शैलेक पॉलिश की तुलना में चमकदार रूप देने में अधिक उत्तम है।**
2. **प्रयोगात्मक रूप से दोनो में से किसी भी किस्म में शैलेक की पहली तीन कोट नमी के प्रभाव को नियंत्रित नहीं कर पाती है।**
3. **शैलेक पॉलिश के छः कोटिंग की तुलना में पॉलियूरेथीन दोनो किस्मों हेतु कम से कम परत संख्या में भी उत्तम आद्रता संरक्षण प्रदान करती है।**
4. **यदि उच्च नमी क्षेत्रों जैसे बाथरूम, रसोई के सिंक के पास मैं कोई शैलेक पॉलिश प्रयोग करता है तो उसे कम से कम छः परत लगानी होंगी।**
5. **फिर भी, तीव्र प्रभावी पॉलियूरेथीन का विकल्प उचित होगा, जहां तीन परतें सुरक्षा प्रदान करती हैं।**
6. **वहीं दूसरी तरफ, यदि उत्पाद गैर–आद्रता स्थान में प्रयोग किया जाना है व उच्च चमकदार परत की आवश्यकता नही है, तो शैलेक पॉलिश की 3–4 परतें भी सफलतापूर्वक प्रयोग की जा सकती हैं।**
7. **पॉलिश की गई काष्ठ सतह के आद्रता अवरोधन क्षमता, लेप की गई परत तथा प्रयोग में लाए गए काष्ठ का मिला–जुला प्रभाव है।**
8. **अतः उपरोक्त परिणाम समस्त काष्ठ किस्मों के लिए अनुमानित नहीं है।**

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें :

प्रमुख, वनोपज प्रभाग,वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
अथवा ई–मेल द्वारा : krishna@icfre.org

Finishing wooden interiors judiciously

कमरे में काष्ठीय वस्तुओं पर सटीक पॉलिश लगायें

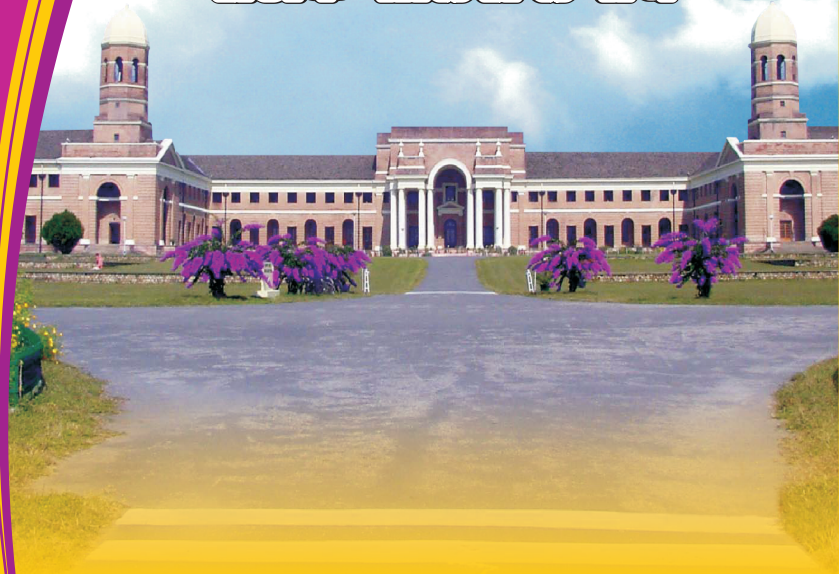

Forest Products Division
Forest Research Institute
(Indian Council of Forestry Research & Education)
New Forest, Dehradun Uttarakhand (India)
www.fri.icfre.gov.in

Finishing wooden interiors judiciously

We all like to have a good look for the wooden products in our houses, offices etc. Be it the kitchen cabinet, the sofa set in the drawing room, the table and chairs in the dining room, the furniture and paneling in the conference room, everyone wants a good appearance for all these items. The appearance is usually contributed by the wood one uses as well as the polish the polisher has applied on it.

Why to polish wood surfaces?

- **Polish protects the surface from abrasives, dust etc and provides a cleanable surface**
- **A polish provides dimensional stability to the product by countering exchange of moisture with the surroundings**
- **Polish gives an appearance of the user's choice**

Unfortunately, the polishers and the users are usually concerned only with the last mentioned advantage of polishing. Many seldom knows about the existence of the second advantage which is the key to success in terms of dimensional stability of the wood product in use

Many of the polishers advice the use of shellac polish or lacquer for getting a good shiny surface for the product. Such shiny surfaces are seldom able to achieve the second objective mentioned above of polishing. More importantly, the performance of any polish depends also on the substrate (the wood species) on which the polish is applied to a great extent.

FRI initiated a study on how many numbers of coatings will be needed for moisture protection for shisham and mango wood if they are polished with the popular Shellac polish or the more recent commercial Poly Urethane varnish. The significant observations for users are:

- **Poly Urethane varnish is much better in blocking moisture and giving a shiny look to the surfaces of both species compared to the shellac polish**
- **The first three coats of shellac are practically not capable of controlling the entry of moisture into either species**
- **Lesser numbers of coats of Poly Urethane provide better moisture protection to both the species than that with even six coats of shellac polish**
- **If one is opting for shellac polishing in high humid areas like bathrooms, near the kitchen sink one should go for at least six coats**
- **However, it is better to opt for the more efficient PU where three coats will provide protection**
- **On the other hand, if the product is being used in non-humid areas and a high shiny surface is not required, 3-4 coatings of shellac polish can also be used successfully**
- **The Moisture Repelling property of a polished wood surface is a combined effect of the permeability of the coating film and the moisture uptake characteristics of the wood that is being used**
- **Thus, the above results should not be generalized for all wood species**

For more information contact:

Head, Forest Products Division, FRI, Dehradun
Or by e-mail: krishna@icfre.org

कमरे में काष्ठीय वस्तुओं पर सटीक पॉलिश लगायें

हम सभी अपने घरों, कार्यालयों इत्यादि में खूबसूरत काष्ठ उत्पाद पसंद करते हैं। रसोई के केबिनेट, बैठक के सोफा सैट, डाईनिंग रूम के मेज व कुर्सियों, सम्मेलन कक्ष के फर्नीचर व पैनलिंग में यह खूबसूरती सब चाहते हैं। यह खूबसूरती, प्रयोग में लाई गई लकड़ी तथा ठीक उसी प्रकार पोलिशर द्वारा इस पर प्रयोग की गई पॉलिश पर आधारित होती है।

काष्ठ सतह को पॉलिश क्यों करना चाहिए?

- **पॉलिश सतह को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों तथा धूल से बचाती है तथा सफाई योग्य सतह उपलब्ध कराती है।**
- **पॉलिश आस–पास की परिवर्तित नमी से उत्पाद को लम्बे समय तक सुरक्षा प्रदान करती हैं।**
- **पॉलिश उपयोगकर्ता की रूचि अनुसार बनावट प्रदान करती है।**

दुर्भाग्यवश पॉलिश करने वाले तथा कराने वाले प्रायः केवल पॉलिश के उल्लिखित अंतिम लाभ से ही संबंध रखते हैं। अधिकतर, बहुत कम ही, द्वितीय लाभ की मौजूदगी के बारे में जानते हैं, जो कि प्रयोग में लाए जा रहे काष्ठ उत्पाद के लम्बे समय तक मजबूती के संबंध में सफलता का मूल सिद्धांत है।